

OBSAH

| | |
|--|-----|
| Úvod | 7 |
| I. VELKOKNĚŽNA KATEŘINA | |
| <i>Zbožná a „tichá“ carevna Alžběta I.</i> | 10 |
| <i>Zerbst</i> | 18 |
| <i>Tajná mise kněžny-matky</i> | 22 |
| <i>Život „malého dvora“</i> | 27 |
| <i>Sedmiletá válka</i> | 34 |
| <i>Pád kancléře Bestuževa-Rjumina</i> | 39 |
| <i>Zoufalství Fridricha II.</i> | 42 |
| II. SMRT DVOU CARŮ | |
| <i>Epizodická vláda Petra III.</i> | 45 |
| <i>Převrat</i> | 50 |
| <i>Vládní představy carevny</i> | 55 |
| <i>„Car noci“</i> | 59 |
| <i>Vzpurný rostovský biskup</i> | 62 |
| <i>Osud cara Ivana VI.</i> | 66 |
| <i>„Volba“ polského krále</i> | 75 |
| III. CO SI PŘEJE RUSKO? | |
| <i>Kolik máme peněz?</i> | 82 |
| <i>„Myslitelka na trůně“</i> | 85 |
| <i>Zákonodárná komise</i> | 89 |
| <i>Co tomu řekne Evropa?</i> | 93 |
| <i>Ruská „Čachtická paní“</i> | 97 |
| <i>„K Bohu je vysoko a k caru daleko“</i> | 101 |
| <i>Jemeljan Pugačov</i> | 107 |
| <i>„Kněžna Tarakanova“</i> | 120 |
| IV. KNÍŽE POTĚMKIN TAURIDSKÝ | |
| <i>Znesvěcení „čisté panny“</i> | 124 |

| | |
|--|-----|
| První dělení Polska | 128 |
| Všemocný velmož | 133 |
| Reformy správy říše | 141 |
| Státní národ | 143 |
| V. NA VRCHOLU MOCI | |
| Nádhera dvora | 149 |
| Následník trůnu | 151 |
| „Duše“ Ruska | 153 |
| Ekonomika říše | 158 |
| Cesta na Tauridu | 161 |
| Pokus o vytlačení Turků z Evropy | 169 |
| VI. POSLEDNÍ LÉTA VLÁDY | |
| Dvanáctý favorit | 173 |
| Revoluce ve Francii | 174 |
| Osamocení buriči | 178 |
| Rozchvácení Polska | 181 |
| Smrt carevny | 189 |
| EPILOG | 194 |
| DOKUMENTY | 197 |
| Poznámky | 213 |
| ROMANOVCI 18. STOLETÍ | 240 |
| CHRONOLOGICKÉ ÚDAJE | 244 |
| PRAMENY A LITERATURA | 247 |
| REJSTŘÍK | 254 |